A–0953

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAHL(N)-120

पद्य साहित्य परिचय

Examination, June 2025

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट : यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×19=38

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. हिंदी साहित्य में भक्ति आन्दोलन के उदय के क्या कारण थे? विभिन्न विद्वानों के मतों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी साहित्य के इतिहास में द्विवेदी युग की रचनात्मक प्रदेय का मूल्यांकन कीजिए।

3. छायावादी कविता के चार प्रकाश स्तंभ प्रसाद, पंत, निराला एवं महादेवी के संदर्भ में छायावादी कविता के महत्व को रेखांकित कीजिए।

4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विभिन्न कविता आंदोलनों का विकास क्रम स्पष्ट कीजिए।

5. नई कविता की संवेदना एवं स्वरूप को स्पष्ट करते हुए नई कविता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×8=32

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. महाकाव्य एवं खंडकाव्य की गठन प्रक्रिया के अंतर को निरूपित कीजिए।

2. सगुण एवं निर्गुण भक्ति से आप क्या समझते हैं? संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

3. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसको माना है? स्पष्ट कीजिए।

4. सिद्ध संप्रदाय पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. ऐतिहासिक रासो काव्य परंपरा का परिचय दीजिए।

6. छायावादी कविता में रहस्यवाद विषय पर टिप्पणी कीजिए।

7. प्रयोगवादी कविता की अन्वेषणधर्मिता पर प्रकाश डालिए।

8. मार्क्सवादी विचारधारा का साहित्य की किस विचारधारा के रूप में उदय हुआ? स्पष्ट कीजिए।

****